पुस्तक - नवतरंग - 2 टीचर - सुमन शर्मा

उपविषय - पाठ 5 (फुटबॉल निकली सैर को)

यह पाठ कक्षा - दूसरी, विषय - हिन्दी, पाठ्य पुस्तक नवतरंग - 2, पेज नं० 32, पाठ - 5 'फुटबॉल निकली सैर को' से लिया गया है। इस पाठ का लिखित सार आपको 12 अगस्त, 2024 को भेजा जाएगा। यह आवाज़ सुमन शर्मा की है।

बच्चो! हम जो पाठ पढ़ने जा रहे हैं, वह खेल - खिलौनों से संबंधित है। खेल - खिलौने बच्चों को प्रिय लगते हैं। लेकिन कई बार टी०वी०, मोबाइल की दुनिया में बच्चे इतने खो जाते हैं कि वे अपने खिलौने, खुले मैदान में दोस्तों के साथ खेलना — सब भूल जाते हैं। यह कहानी बच्चों को खेल-खिलौनों की दुनिया में वापस लौटाती है।

पिटारी में रखी फुटबॉल बहुत दिनों से इंतज़ार कर रही थी कि कब अभिजीत और सिमरन उसे बाहर लेकर जाएँगे।

गरमी की छुट्टियाँ शुरू हो गई थीं। अभिजीत और सिमरन बहुत खुश थे। वे बिना अलार्म बजे ही सुबह उठ गए। नहा-धोकर दोनों टेलीविज़न के सामने बैठ गए।

Scanned with ACE Scanner

पुस्तक - नवतरंग - 2 टीचर - सुमन शर्मा

(फुटबॉल निकली सैर को)

फुटबॉल ने पिटारी से बाहर झाँका और उछलकर कमरे से बाहर बरामदे में आ गई। वहाँ एक कोने में साइकिल खड़ी थी। उस पर धूल जमी हुई थी। उसके हैंडिल पर दूसरी तरफ़ कुछ कपड़े टँगे थे और एक तरफ़ एक पुरानी-सी छतरी। फुटबॉल पहले तो साइकिल को पहचानी नहीं। जैसे ही उछलकर आगे बढ़ी, पीछे से साइकिल की आवाज़ आई—ठहरो, ठहरो। कहाँ जा रही हो? मैं भी तुम्हारे साथ चलूँगी।

घर का कुत्ता मीचू भी भौं-भौं करता बाहर आ गया।

इतने में माँ ने आवाज़ लगाई—सिमरन, अभिजीत। जाओ, सामने वाले मैदान में खेलो। इतवार के दिन वहाँ रवि अंकल बच्चों को बहुत सारे खेल खिलवाते हैं। मीचू को भी अपने साथ लेते जाना।

सिमरन ने पुकारा—मीचू, मेरे प्यारे मीचू, तुम कहाँ हो? घर में इधर-उधर ढूँढ़ा, लेकिन मीचू न मिला। अभिजीत और सिमरन बाहर गए। बाहर आ मैदान से मीचू के भौंकने की आवाज़ आ रही थी। वे दोनों भी वहीं पहुँच गए।

मैदान में बहुत बच्चे थे। कुछ रस्सी कूद रहे थे; कुछ पेड़ की नीची डालों पर झूल रहे थे, कुछ छिपन-छिपाई खेल रहे थे। मीचू भी खुश होकर बच्चों के आस-पास कूद रहा था। फुटबॉल

Scanned with ACE Scanner

पुस्तक - नवतरंग -2 टीचर - सुमन शर्मा

(फुटबॉल निकली सैर को)

बीच-बीच में उछलकर बच्चों के पास पहुँच जाती। बच्चे किक मारकर उसे एक-दूसरे की तरफ़ पहुँचा देते। फुटबॉल को बहुत मज़ा आ रहा था।

बच्चो! अब आप पाँच मिनट की ब्रेक ले सकते हैं। ब्रेक लेने से पहले मैं आप से कुछ प्रश्न पूछने जा रही हूँ। जिनके उत्तर आप ब्रेक के बीच में अपनी नोटबुक में लिखोगे।

प्रश्न 1. अभिजीत और सिमरन की कौन-सी छुट्टियाँ शुरू हो गई थीं?

प्रश्न 2. घर के कुत्ते का क्या नाम था?

प्रश्न 3. साइकिल पर क्या जमी हुई थी?

प्रश्न 4. इतवार के दिन बच्चों को कौन खेल खिलवाता है?

(ब्रेक का समय समाप्त)

आइए, अब मैं पहले आपको ऊपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर बता देती हूँ!

उ० 1. अभिजीत और सिमरन की गरमी की छुट्टियाँ शुरू हो गई थीं।

Scanned with ACE Scanner

पुस्तक - नवतरंग - 2 टीचर - सुमन शर्मा

(फुटबॉल निकली सैर को)

उ० 2. घर के कुत्ते का नाम मीचू था।

उ० 3. साइकिल पर धूल जमी हुई थी।

उ० 4. इतवार के दिन बच्चों को रवि अंकल खेल - खिलवाते हैं।

तभी रवि अंकल सैर करते हुए आ गए। वे फुटबॉल के अच्छे खिलाड़ी थे। उन्होंने फुटबॉल को हाथ में उठा लिया और मैदान के बीच में पहुँच गए।

फुटबॉल देखते ही बच्चे खुश हो गए।

अभिजीत ने कहा—मैं गोलकीपर बनूँगा।

रवि अंकल बोले—पहले सब बच्चे मैदान के दो चक्कर लगाएँगे।

गिनती बोलते हुए सब बच्चे लाइन में खड़े हो गए। सिमरन बोली—अंकल, फुटबॉल में तो ग्यारह खिलाड़ी होते हैं, हम तो दस ही.....।

तभी दूर से मीचू दौड़ता हुआ आया और बच्चों के साथ खड़ा हो गया। रवि अंकल ने सीटी बजाई, सबने दौड़ना शुरू किया। फुटबॉल बहुत खुश थी। साइकिल एक तरफ़ खड़ी सबको देख रही थी।

बच्चो! अब आपको यह पाठ अच्छी तरह से समझ आ गया होगा।

- सभी बच्चे इस पाठ को पढ़ने का अभ्यास करेंगे।
- प्रतिदिन हिन्दी की पाठ्य पुस्तक पढ़ने का अभ्यास अवश्य करें।

Scanned with ACE Scanner

पुस्तक - नवतरंग - 2 उपविषय - पाठ - 5 (फुटबॉल निकली सैर को)

टीचर - सुमन शर्मा

Answer Key

पाठ बोध

• प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखें -

क) पिटारी में रखी फुटबॉल किसका इंतज़ार कर रही थी?

उत्तर: पिटारी में रखी फुटबॉल अभिजीत और सिमरन का इंतज़ार कर रही थी कि कब वे उसे बाहर लेकर जाएँगे।

ख) मैदान में बच्चे क्या-क्या खेल रहे थे?

उत्तर: मैदान में बच्चे रस्सी कूद रहे थे, पेड़ की डालों पर झूल रहे थे, तथा कुछ बच्चे छिपन-छिपाई खेल रहे थे।

ग) रवि अंकल कौन थे?

उत्तर: रवि अंकल फुटबॉल के अच्छे खिलाड़ी थे।

★ खाली स्थान भरो -

1) फुटबॉल कमरे से बाहर बरामदे में आ गई।

2) घर के कुत्ते का नाम मीचू था।

3) रवि अंकल सैर करते हुए आ गए।

Scanned with ACE Scanner

पुस्तक - नवतरंग - 2 टीचर - सुमन शर्मा

Answer Key

4) फुटबॉल की टीम में ग्यारह खिलाड़ी होते हैं।

5) साइकिल पर धूल जमी हुई थी।

★ वाक्य बनाओ –

1. सैर - मैं हर रोज़ सैर करने जाती हूँ।

2. खिलौने - मेरे भाई के पास बहुत से खिलौने हैं।

3. मैदान - मैं प्रतिदिन मैदान में खेलने जाता हूँ।

4. खुश - फुटबॉल मैदान में आकर बहुत खुश थी।

शब्द - अर्थ

1) सैर करना - टहलना

2) हैंडिल - साइकिल पकड़ने का हत्था

• पाठ - बोध का प्रश्न नं० 1 स्वयं करें।

(Last Page)

Scanned with ACE Scanner